परियोजना का नामः—थाना घनसाली टिहरी गढवाल हेतु वन भूमि हस्तान्तरण

भू—वैज्ञानिक की आख्या

प्रस्ताव में संलग्न है ।

ह0/
प्रयोक्ता एजेन्सी
पुलिस अधीक्षक
टिहरी गढ़वाल

थानाध्यक्ष
थाना — घनसाली
टिहरी गढवाल

वन क्षेत्र अधिकारी
भिलंगना रेंज घनसाली
टिहरी वन प्रभाग

तहसीलदार
घनसाली
टिहरी गढवाल

उप जिलाधिकारी

प्रेषक,

उपनिदेशक/प्रभारी अधिकारी
भूवैज्ञानिक कार्यालय,
जिला टास्क फोर्स–टिहरी गढवाल,
नई टिहरी।

प्रेषित,

पुलिस अधीक्षक,
टिहरी गढवाल।

संख्याः 1559 /जि0टा0फो0–टि0ग0/भू0 नि0/मुख्यालय/2014–15 दिनांकः 15 दिसंम्बर 2014

विषयः थाना धनसाली हेतु चयनित भूमि का भूगर्भीय निरीक्षण कराने के सम्बंन्ध मे।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या भ–32/12 दिनांक 16/07/2014 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करे। उक्त के कम मे प्रस्तावित स्थल का भू गर्भीय निरीक्षण दिनांक 27/11/2014 को सम्पन्न किया गया जिसकी भू गर्भीय निरीक्षण आख्या इस पत्र के साथ संलग्न एंव आपको आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।

15/1

जी0 डी0 प्रसाद
उपनिदेशक/ प्रभारी अधिकारी

संख्याः /जि0टा0फो0–टि0ग0/भू0 नि0/मुख्यालय/2014–15 दिनांकः दिसंम्बर 2014

प्रतिलिपिः– निम्नलिखित को सूचनार्थ एंव आवश्यक कार्यवाही हेतु सादर प्रेषित :–

1. ~~निदेशक~~ भूतत्व एंव खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, देहरादून।
2. जिलाधिकारी, टिहरी गढवाल।
3. भूवैज्ञानिक कार्यालय, टिहरी गढवाल।

जी0 डी0 प्रसाद
उपनिदेशक/ प्रभारी अधिकारी

निरी0आ0 सं0 02/जि0टा0फो0 टिहरी/भू0नि0/मुख्यालय/2014–15

जनपद टिहरी के तहसील घनसाली मे थाने हेतु चयनित भूमि की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या :–

प्रस्तावनाः–

जनपद टिहरी के तहसील घनसाली मे थाने हेतु प्रस्तावित स्थल का भू गर्भीय निरीक्षण, श्री भीम दत्त भटट् एव श्री बसंन्त कुमार, थाना धनसाली के सहयोग से दिनांक 27 नवंम्बर 2014 को सम्पन्न किया गया है, जिसकी भूगर्भीय आख्या निम्नवत हैः–

पहुंच मार्ग एंव टोपोग्राफिक स्थितीः–

घनसाली थाने हेतु प्रस्तावित स्थल धनसाली–बुढाकेदार तथा घनसाली–नई टिहरी मोटर मागो के मिलान बिदु से नई टिहरी की ओर लगभग 2 किमी0 की दूरी पर स्थित धमठीधार पहाडी पर है धमठीधार पहाडी पर स्थित इन्टर कालेज से लगभग 200मी0 पश्चिम / बाये अनयत्र पहाडी रिज पर स्थित है। प्रस्तावित स्थल आरक्षित वन भूमि क्षेत्र मे भिलंगना एंव पोखाल रेंजो के मिलान भाग से होते हुए दोनो रेंजो के अर्न्तगत चयनित किया गया है।

चयनित स्थल वन भूमि के अन्तर्गत आता है, जिसमें वर्तमान में चीड़ के 3 वृक्ष प्रजाती एवं झाडिया विद्यमान हैं। प्रस्तावित स्थल ढालदार पहाडी रिज का भूभाग है, जिसके अपहिल ढलान की प्रवणता लगभग 25^0 दक्षिणपूरब दिशा की ओर है तथा डाउनहिल ढाल की प्रवणता लगभग 20^0 दक्षिणपूरब की ओर है। प्रस्तावित स्थल के उत्तर मे अपस्लोप पहाडी ढलान पर वन क्षेत्र अवस्थित है तथा स्थल से लगभग 50मी0 अपस्लोप मे एक मन्दिर अवस्थित है, प्रस्तावित स्थल के पूरब दिशा मे पहाडी ढलान जिसकी प्रवणता 40^0–50^0 पूरब दिशा की ओर है। उक्त ढलान पर प्रस्तावित स्थल हेतु कच्चा मार्ग अवस्थित है, प्रस्तावित स्थल के दक्षिण मे डाउनस्लोप ढलान पर लगभग 50 मी0 की दूरी पर पी0डब्लयु0डी0 का भवनें अवस्थित है तथा पश्चिम मे तीव्र ढलानयुक्त पहाडी भूभाग है।

घनसाली थाने हेतु प्रस्तावित स्थल आरक्षित वन भूमि क्षेत्र के अर्न्तगत चयनित किया गया है वन विभाग द्वारा प्रस्तावित मानचित्र मे स्थल की लम्बाई 50मी0 व चौड़ाई 40मी0 मे प्रस्तावित की गयी है, स्थल की भौगोलिक स्थिती उत्तर 30^0 25' 30.9'' व पूरब 78^0 38' 37.2'' है जहां स्थल की समुद्र तल से ऊचाई 1010मी0 है तथा स्थल भारतीय सर्वेक्षण विभाग की टोपोसीट सख्या 53–J/11 के अर्न्तगत अवस्थित है।

भूगर्भीय निरीक्षण एंव भूगर्भीय तथ्य :–

घनसाली थाने हेतु प्रस्तावित स्थल धुमेठी धार नामे पहाडी के रिज भाग पर अवस्थित है जहा प्रस्तावित स्थल आरक्षित वन क्षेत्र का भूभाग है। प्रस्तावित स्थल की भू स्तह पर अधोभूमि स्वस्थानें चट्टानें

मृदा मे मुख्यतः फेलिटिक एंव क्लोराइटिक शिष्ट प्रकृति की चट्टानों के समकोणीय (प्लेटी) फ्रेगमेन्ट /पेब्लस, कॉब्लस (0.5सेमी0–3सेमी0) धंसे/फंसे हुए संगठित अवस्था मे दृष्टिगोचर हो रहे हैं जहां स्थल की भू स्तह पर अवस्थित मृदा की उत्पत्ति अपस्लोप मे अवस्थित पहाडी ढलानो पर वर्षाकाल मे आने वाले वर्षाजल के प्रवाह से हुई है।

स्वस्थाने चट्टानें प्रस्तावित स्थल के समीपवर्ती भागो एंव स्थल हेतु प्रस्तावित पहुंच मार्ग के कटान भागो पर दृष्टिगत हो रहे है। उक्त स्वस्थाने चट्टानों का प्रसार पूरब दिशा में तथा नतिमान 25^0–30^0 दक्षिण दिशा की ओर है। स्थल पर मुख्यतः गहरे व हल्के हरे व ग्रे, रंग की कमजोर, महीन गठनयुक्त, फिलेटिक व क्लोरिटिक शिष्ट प्रकृति की स्वस्थानें चट्टानें विद्यमान हैं। स्वस्थाने चटट्ाने कमजोर प्रकृति की क्षरित अवस्था मे दृष्टिगोचर होती हैं।

भूगर्भीय दृष्टिकोण से उक्त स्थल मे दृष्टिगत स्वस्थानें चट्टानो को भूगर्भीय साहित्य में जॉनसार समूह की बेरिनाग फोरमेसन की चट्टानों के समकक्ष वर्गीकृत किया गया हैं जो भारतीय सीजमिक मानचित्र पर इनर लैसर हिमालयी पर्वत श्रेणियों के सक्रिय भूकम्पीय जोन–V में अवस्थित हैं।

स्वस्थाने चट्टानो के नति की दिशा स्थल के ढलान की दिशा के अनुकूल है जो कि स्थल की भू स्तह की असुरक्षा की ओर संकेत करती है परन्तु प्रस्तावित स्थल का ढलान सामान्य है जहा स्थल डाउनस्लोप मे पहाडी का ढलान अत्यन्त कम हो जाता है तथा किसी प्रकार का भू धसांव दृष्टिगत नही हो रहा है।

स्थल भूगर्भीय दृष्टिकोण से सुरक्षित प्रतीत होता है जहां वर्तमान भू गर्भीय निरीक्षण के समय प्रस्तावित स्थल पर व समीप के भू भागो मे किसी प्रकार का प्राकृतिक जल स्रोत व अधोभूमि जल प्रवाह/रिसाव तथा किसी प्रकार का भूधंसाव दृष्टिगोचर नहीं होता है।

स्थल पर निर्माण कार्य किये जाने से पूर्व निम्न सुरक्षात्मक कार्य किया जाना आवश्यक होगाः–

<u>सुरक्षा एंव शर्तेः–</u>

1. वन संरक्षण अधिनियम 1980 के अर्न्तगत प्रस्तावित भू भाग आरक्षित वन क्षेत्र मे आता है जहा प्रस्तावित भूभाग मे आने वाले तीन चीड़ के वृक्षो को काटने हेतु सम्बधित विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के उपरान्त ही निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जाना होगा।
2. प्रस्तावित स्थल को उचित सोपानों मे विकसित किया जाना अतिआवश्यक होगा जहा सोपानो को पहाडी ढलान के केवल रिज भाग पर विकसित किया जाना होगा।
3. प्रस्तावित स्थल के पश्चिम ढलान भाग से लगभग 15 मी0 व पूरब ढलान भाग से लगभग 10मी0 भूभाग छोडकर ही सोपानों को विकसित करने के उपरान्त निर्माण कार्य किया जाना आवश्यक होगा।
4. स्थल के पश्चिम ढलान भाग में पहाडी का ढलानदार भूभाग स्थित है इस भूभाग पर किसी भी प्रकार का उत्खनन/ निर्माण कार्य न किया जाय।
5. स्थल के पूरबी भाग मे स्थित पहाडी ढलान कमजोर प्रवृति का है जिसके आधार भाग से जाने वाले प्रस्तावित मोटर मार्ग के अपस्लोप पहाडी ढलान पर मजबूत, [illegible]

निरी0आ0 सं0 02/जि0टा0फो0 टिहरी/भू0नि0/मुख्यालय/2014–15

जनपद टिहरी के तहसील घनसाली मे थाने हेतु चयनित भूमि की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या :–

प्रस्तावना:–

जनपद टिहरी के तहसील घनसाली मे थाने हेतु प्रस्तावित स्थल का भू गर्भीय निरीक्षण, श्री भीम दत्त भटट् एव श्री बसंन्त कुमार, थाना धनसाली के सहयोग से दिनांक 27 नवंम्बर 2014 को सम्पन्न किया गया है, जिसकी भूगर्भीय आख्या निम्नवत है:–

पहुंच मार्ग एंव टोपोग्राफिक स्थिती:–

घनसाली थाने हेतु प्रस्तावित स्थल धनसाली–बुढाकेदार तथा घनसाली–नई टिहरी मोटर मागो के मिलान बिदु से नई टिहरी की ओर लगभग 2 किमी0 की दूरी पर स्थित धमठीधार पहाडी पर है धमठीधार पहाडी पर स्थित इन्टर कालेज से लगभग 200मी0 पश्चिम / बाये अनयत्र पहाडी रिज पर स्थित है। प्रस्तावित स्थल आरक्षित वन भूमि क्षेत्र मे भिलंगना एंव पोखाल रेंजो के मिलान भाग से होते हुए दोनो रेंजो के अर्न्तगत चयनित किया गया है।

चयनित स्थल वन भूमि के अन्तर्गत आता है, जिसमें वर्तमान में चीड़ के 3 वृक्ष प्रजाती एवं झाडिया विद्यमान है। प्रस्तावित स्थल ढालदार पहाडी रिंज का भूभाग है, जिसके अपहिल ढलान की प्रवणता लगभग 25^0 दक्षिणपूरब दिशा की ओर है तथा डाउनहिल ढाल की प्रवणता लगभग 20^0 दक्षिणपूरब की ओर है। प्रस्तावित स्थल के उत्तर मे अपस्लोप पहाडी ढलान पर वन क्षेत्र अवस्थित है तथा स्थल से लगभग 50मी0 अपस्लोप मे एक मन्दिर अवस्थित है, प्रस्तावित स्थल के पूरब दिशा मे पहाडी ढलान जिसकी प्रवणता 40^0–50^0 पूरब दिशा की ओर है। उक्त ढलान पर प्रस्तावित स्थल हेतु कच्चा मार्ग अवस्थित है, प्रस्तावित स्थल के दक्षिण मे डाउनस्लोप ढलान पर लगभग 50 मी0 की दूरी पर पी0डब्लयु0डी0 का भवने अवस्थित है तथा पश्चिम मे तीव्र ढलानयुक्त पहाडी भूभाग है।

घनसाली थाने हेतु प्रस्तावित स्थल आरक्षित वन भूमि क्षेत्र के अर्न्तगत चयनित किया गया है वन विभाग द्वारा प्रस्तावित मानचित्र मे स्थल की लम्बाई 50मी0 व चौड़ाई 40मी0 मे प्रस्तावित की गयी है, स्थल की भौगोलिक स्थिती उत्तर 30^0 25' 30.9" व पूरब 78^0 38' 37.2" है जहां स्थल की समुद्र तल से ऊचाई 1010मी0 है तथा स्थल भारतीय सर्वेक्षण विभाग की टोपोसीट सख्या 53–J/11 के अर्न्तगत अवस्थित है।

भूगर्भीय निरीक्षण एंव भूगर्भीय तथ्य :–

घनसाली थाने हेतु प्रस्तावित स्थल धुमेठी धार नामे पहाडी के रिज भाग पर अवस्थित है जहा प्रस्तावित स्थल आरक्षित वन क्षेत्र का भूभाग है। प्रस्तावित स्थल की भू स्तह पर अधोभूमि स्वस्थानें चट्टानें एक्सपोज्ड नहीं हैं वरन् स्थल की भू स्तह पर मटमैले, गहरे भूरे रंग की मुलायम, चिकनी, अभ्रक फ्लैक युक्त

मृदा मे मुख्यतः फेलिटिक एंव क्लोराइटिक शिष्ट प्रकृति की चट्टानों के समकोणीय (प्लेटी) फ्रेगमेन्ट /पेब्लस, कॉब्लस (0.5सेमी0–3सेमी0) धंसे/फंसे हुए संगठित अवस्था मे दृष्टिगोचर हो रहे हैं जहां स्थल की भू स्तह पर अवस्थित मृदा की उत्पत्ति अपस्लोप मे अवस्थित पहाडी ढलानो पर वर्षाकाल मे आने वाले वर्षाजल के प्रवाह से हुई है।

स्वस्थाने चट्टानें प्रस्तावित स्थल के समीपवर्ती भागो एंव स्थल हेतु प्रस्तावित पहुंच मार्ग के कटान भागो पर दृष्टिगत हो रहे है। उक्त स्वस्थाने चट्टानों का प्रसार पूरब दिशा में तथा नतिमान 25^0–30^0 दक्षिण दिशा की ओर है। स्थल पर मुख्यतः गहरे व हल्के हरे व ग्रे, रंग की कमजोर, महीन गठनयुक्त, फिलेटिक व क्लोरिटिक शिष्ट प्रकृति की स्वस्थानें चट्टानें विद्यमान हैं। स्वस्थाने चटट्ाने कमजोर प्रकृति की क्षरित अवस्था मे दृष्टिगोचर होती हैं।

भूगर्भीय दृष्टिकोण से उक्त स्थल मे दृष्टिगत स्वस्थानें चट्टानो को भूगर्भीय साहित्य में जॉनसार समूह की बेरिनाग फोरमेसन की चट्टानों के समकक्ष वर्गीकृत किया गया हैं जो भारतीय सीजमिक मानचित्र पर इनर लैसर हिमालयी पर्वत श्रेणियों के सक्रिय भूकम्पीय जोन–v में अवस्थित हैं।

स्वस्थाने चटट्ानो के नति की दिशा स्थल के ढलान की दिशा के अनुकूल है जो कि स्थल की भू स्तह की असुरक्षा की ओर संकेत करती है परन्तु प्रस्तावित स्थल का ढलान सामान्य है जहा स्थल डाउनस्लोप मे पहाडी का ढलान अत्यन्त कम हो जाता है तथा किसी प्रकार का भू धसांव दृष्टिगत नही हो रहा है।

स्थल भूगर्भीय दृष्टिकोण से सुरक्षित प्रतीत होता है जहां वर्तमान भू गर्भीय निरीक्षण के समय प्रस्तावित स्थल पर व समीप के भू भागो मे किसी प्रकार का प्राकृतिक जल स्रोत व अधोभूमि जल प्रवाह/रिसाव तथा किसी प्रकार का भूधंसाव दृष्टिगोचर नहीं होता है।

स्थल पर निर्माण कार्य किये जाने से पूर्व निम्न सुरक्षात्मक कार्य किया जाना आवश्यक होगाः–

सुरक्षा एंव शर्तेः–

1. वन संरक्षण अधिनियम 1980 के अर्न्तगत प्रस्तावित भू भाग आरक्षित वन क्षेत्र मे आता है जहा प्रस्तावित भूभाग मे आने वाले तीन चीड़ के वृक्षो को काटने हेतु सम्बधित विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के उपरान्त ही निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जाना होगा।
2. प्रस्तावित स्थल को उचित सोपानों मे विकसित किया जाना अतिआवश्यक होगा जहा सोपानो को पहाडी ढलान के केवल रिज भाग पर विकसित किया जाना होगा।
3. प्रस्तावित स्थल के पश्चिम ढलान भाग से लगभग 15 मी0 व पूरब ढलान भाग से लगभग 10मी0 भूभाग छोडकर ही सोपानों को विकसित करने के उपरान्त निर्माण कार्य किया जाना आवश्यक होगा।
4. स्थल के पश्चिम ढलान भाग में पहाडी का ढलानदार भूभाग स्थित है इस भूभाग पर किसी भी प्रकार का उत्खनन/ निर्माण कार्य न किया जाय।
5. स्थल के पूरबी भाग मे स्थित पहाडी ढलान कमजोर प्रवृति का है जिसके आधार भाग से जाने वाले प्रस्तावित मोटर मार्ग के अपस्लोप पहाडी ढलान पर मजबूत, वीपहोल्सयुक्त सी0सी0 धारक व मार्ग के

डाउनस्लोप ढलान पर वीपहोल्सयुक्त सी0सी0 प्रतिधारक दीवारो को बनाया जाना अति आवश्यक होगा।

6. स्थल पर विकसित किये जाने वाले सोपनों के अपहिल एवं डाउनहिल दिशाओं में वीपहोल्स युक्त धारक दीवार का निर्माण किया जाना होगा।
7. प्रस्तावित भूभाग की भू स्तह पर अवस्थित मृदा के भू–तकनीकी परीक्षणो (प्लेट लोड़ टेस्ट) कराने के उपरान्त प्राप्त भू–तकनीकी आकडो के अनुरूप ही स्थल पर थाने का सिविल डिजाइन व निर्माण कार्य किया जाएगा।
8. प्रस्तावित स्थल सक्रिय भूकम्पीय जोन के अन्तर्गत आता है, अतः प्रस्तावित थाने का निर्माण भूकम्पीय गुणांको के अनुसार बीम कॉलम्स पर एवं भूकम्परोधी तकनीको पर आधारित ही किया जाना आवश्यक होगा।
9. प्रस्तावित थाने के चारो ओर के भू–भाग को पूर्णतः पक्का करना एंव वर्षा जल एवं थाने में प्रयुक्त जल का सुरक्षित निस्तारण थाना स्थल क्षेत्र से दूर किया जाना अति आवश्यक होगा।
10. प्रस्तावित स्थल के मध्य से होकर एक एल0टी0 विद्युत लाइन गुजरती है अतः निर्माण से पूर्व विद्युत लाइन को स्थल से उचित दूरी तक हटाया जाना अतिआवश्यक होगा।

प्रथमदृष्टया घनसाली थाने हेतु प्रस्तावित स्थल के स्थलीय भूगर्भीय निरीक्षण के उपरान्त प्राप्त सतही आंकडो के आंकलन के अनुसार उर्पयुक्त सुक्षाव एंव शर्तो को पूर्ण करने के उपरान्त ही चयनित स्थल उपयुक्त प्रतीत होता है, अन्यथा की दशा मे आख्या स्वतः निरस्त समझी जाएगी।

15/12/14

(जी0डी0 प्रसाद)
उपनिदेशक/प्रभारी अधिकारी